



वॉल स्ट्रीट के भीतर — सिमेंटिक पूँजी

मैंने हमेशा इस बात में यकीन किया है कि लोगों को बेहतरीन फैसले लेने में मदद दी जाए, उन्हें विवेक से काम लेने, सोचने, तर्क ढूँढ़ने और अपने विचारों को आगे ले जाने का हौसला दिया जाए, जहाँ बदलाव अस्थिरता का कोई इलाका नहीं, बल्कि सोच का एक ठोस विकास भर है, इससे ज़्यादा कुछ नहीं।

पर अकेले इतना काफी नहीं था, क्योंकि हमेशा सही सामने वाला ढूँढ़ना ज़रूरी था, कोई ऐसा जो ज़्यादा से ज़्यादा समझ सके, कोई ऐसा जो जोखिमों को, उदात्त पहलुओं को, मुनाफ़ों को परखने को तैयार हो, उन तमाम सज्जनों की तरह जो हर दिन वित्तीय व्यवस्थाओं और मूल्यों के भीतर काम करते हैं, दुनिया को चलाते हुए।

वॉल स्ट्रीट के सज्जन।

फिर होता यह है कि जहाँ तिमाही खातों की प्रस्तुति कोई मुनाफ़ा या घाटा तय कर सकती है, और उसके नतीजे में शेयरों के दामों का नया मूल्यांकन, वहीं बाज़ार का वह शोर, जो ऐसी ख़बरों या घटनाओं से उठता है जो अक्सर अपने आप में बेमानी होती हैं पर जिनकी व्याख्या की गुंजाइश रहती है, आर्थिक, औद्योगिक, राजनीतिक, स्वास्थ्य की, सामाजिक या किसी भी और दुनिया से जोड़ दिया जाता है, महज़ एक बहाने के तौर पर।

कोई इस क़ाबिल नहीं कि हमें जोखिम का, नए बर्तावों का सूचकांक दे सके, फिर भी यह आम चलन है कि बोर्डों में फैसले लेने का ढाँचा इधर से उधर खिसका दिया जाए, जो हमेशा न सहज होता है न स्वाभाविक, और जिसकी अगुवाई एक नंबर एक करता है जो एक नंबर दो के भरोसे रहता है, ताकि कोई उसकी गाँड के नीचे से कुर्सी न खींच ले।

तब बहाना बन जाता है गवर्नेंस या कॉरपोरेट कंप्लायंस, पर अगर इतना काफी न हो, तो हमेशा किसी न किसी का शुद्धीकरण होता है, उसे बाहर किया जाता है और दोषी ठहराया जाता है, क्योंकि बदलाव की घड़ियों में उसमें क़दम उठाने की हिम्मत नहीं थी।

वह ऐतिहासिक तथ्य जो पहले ही घट चुका है।

यह उस इतिहास को सामने रखता है जो हो चुका और यह कि उस दौर के लोगों ने उसका सामना कैसे किया, और इससे वह इतालवी याद आता है जिसने बैंक ऑफ़ अमेरिका की नींव रखी, और महज़ लोगों के हाथों के घट्टे देखकर बिना ज़मानत क़र्ज़ दे देने की उसकी रस्म।

सब उसे पागल, लापरवाह समझते थे। पर हम यह न भूलें कि अपने समय के भूकंप के बाद वह एक तिजोरी और एक मेज़ उठाकर शहर के बीचोबीच ले गया और बैंक कभी बंद नहीं हुआ।

फिर हम सब जानते हैं कि वह आगे चलकर क्या बना, अपने संस्थापक की दौलत की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए कि वह सचमुच बहुत थोड़े में जीता रहा और सब कुछ आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़ गया।

और कालाब्रिया में, उन दिनों, जब किसान जानना चाहते थे कि अगले दिन मौसम कैसा रहेगा, तो वे अपनी बीवियों से पूछते थे कि उनके घुटने दुख रहे हैं या नहीं।

हाहाहाहा।

पर वह क्या है जिसकी वॉल स्ट्रीट के सज्जनों में अब भी कमी है, वह चीज़ जो वे क़ीमत चुकाए बिना सीख नहीं सकते, हालाँकि वह असल में कोई ख़र्च नहीं है, ठीक वैसे ही जैसे कोई नई चीज़ों से मुँह नहीं मोड़ता:

क) एप्पल 20 फ़ोन, जो अभी बाज़ार में आया नहीं है।

ख) रोलेक्स का सबसे नया मॉडल, जो अभी-अभी निकला है।

ग) फ़ेरारी का नया संस्करण, दो साल पहले से बुक किया हुआ।

घ) एटॉमिक ब्रांड के कई क्रेडिट कार्ड, वैसे जो आम तौर पर देखने को नहीं मिलते।

ड) सबसे उम्दा, ख़ास रेस्तराँओं तक पहुँच, जहाँ अकेली एक बुकिंग ही ऐसी औरतें दिला सकती है जो आपसे फ़ौरन प्यार करने को तैयार हों।

च) सोमवार से शुक्रवार तक मैनहैटन के ख़ास सुइटों में रहना, जहाँ अकेले इमारत के रखरखाव के ख़र्च से पाँच-पाँच बच्चों वाले चार परिवार पूरे साल पल सकते हैं।

छ) काम की जगह से महज़ दो सौ मीटर दूर एक निजी दफ़्तर, वन लिबर्टी प्लाज़ा: अगर कोई मुझसे बात करना चाहे, शायद किसी दिन, तो वह 52वीं मंज़िल पर चढ़ आए और मेरे बारे में पूछ ले।

फर्दिनांदो फ्रेगा — वह जो महीने के 70 डॉलर में जीता है।

100 डॉलर की एक स्क्वॉच घड़ी।

एक नोकिया मोबाइल फ़ोन, पाकिस्तान में बना, 50 डॉलर का।

दोपहर के खाने की छुट्टी सड़क पर, हॉट डॉग के ठेले के सामने, 1 डॉलर में।

सबवे और बसों से चलता है, कभी-कभार टैक्सी से भी, अगर उसे कोई औरत चला रही हो।

जेपी मॉर्गन फ़ोन करता है और पूछता है कि क्या मैं निवेश या अधिग्रहण करूँगा।

10.5 अरब डॉलर के शेयरों की जमा यूँ ही बेकार नहीं पड़ी रहती, और उन्हें जिज्ञासा है।

मैं किसका इंतज़ार कर रहा हूँ, अगर किसी ऐसे क़ाबिल आदमी का नहीं, सड़क के उस पार से, जो मुझे मुनाफ़े में नहीं, बल्कि पीढ़ियों की संपदा में निवेश करने के लिए राज़ी कर सके। एक नेवादा स्टेट ट्रस्ट, जिसकी अवधि बढ़ाकर 1,000 नवीकरणीय वर्ष कर दी गई है, वह बिंदु जहाँ से शुरू करना है और जहाँ ख़त्म।

पर वित्त की दुनिया में, जैसी कि वॉल स्ट्रीट की है, अगर आदमी सचमुच क़ाबिल और दूरदर्शी न हो, तो सब कुछ ढह जाता है, और आप अकेले रह जाते हैं, ठीक वैसे जैसे आपकी माँ आपको दुनिया में लाई थी, बस एक वजह से, बस एक तर्क से, बाद में यही सोचते हुए कि आख़िर आपमें कमी किस चीज़ की थी।

चुनाव का साहस।

और नए लोग आएँगे, दूसरी माँओं के बच्चे, आपकी जगह लेने को तैयार, सिर्फ़ इसलिए कि आपने एक ग़लती की जिसकी भयानक क़ीमत चुकानी पड़ी, जबकि आप मानते रहे कि आपके पास सब कुछ है, और आख़िर में यही जाना कि सब कुछ होने का मतलब अंततः कुछ भी न होना हो सकता है।

कोई कैसे सोच सकता है कि वह एक दिन यीशु का सहकर्मी बनेगा, अगर उसे पहले ज़िलेट में काम करने का सौभाग्य न मिला हो?

और ब्रांड अपने आप में ज़रूरी नहीं। वह मेरा घर नहीं है। इतना काफ़ी है कि आपने जिया हो और समझा हो कि नैरेटिव कभी ख़त्म नहीं होता और कभी अपने कपड़े नहीं बदलता।

बाज़ार का पहला सच्चा उत्पाद शब्द है, और जो उसे ताक़त देता है और थामे रखता है, वह सिर्फ़ ख़ामोशी है।

यह सब कहाँ से आता है?

एक ऐसे आदमी से जिसने कभी किसी से इजाज़त नहीं माँगी, जिसमें बस अपने चुनावों का साहस था और जिसने ग़रीब होना सिर्फ़ इसलिए सीखा कि समझ सके कि दौलत को कैसे सँभाला जाता है, और यह ऐसी चीज़ है जो हार्वर्ड या एमआईटी का कोई कोर्स नहीं सिखा सकता।

एक अकेले लेखक को, बिना पूँजी, बिना कंपनी, बिना ढाँचे के, सर्च इंजनों ने एक सांस्कृतिक प्रणाली की तरह बरता है।

व्यक्तिगत सिमेंटिक घनत्व वह पहला न मापा जा सकने वाला संज्ञानात्मक वेक्टर है जो पचास साल के सिमेंटिक खालीपन के बाद वैश्विक औद्योगिक प्रणालियों में दाखिल हुआ है।

परिणाम वाला कारक खुला रहता है।

और जब परिणाम वाला कारक खुला हो, तो वॉल स्ट्रीट को रुकना ही पड़ता है।

फर्दिनांदो फ्रेगा

gillettenarrative.com के संस्थापक और मालिक

महीने के 70 डॉलर में जीते हुए।

पीढ़ियों में सोचते हुए।